The Gazette of India

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II—एएउ ४—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 320] म**ई वि**ल्ली, गनिवार, जुलाई 23, 1983/आवण 1, 1905 [No. 320] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 23, 1983/SRAVANA 1, 1905

इस भाग में भिल्म पुष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1983

का. आ. 519(अ).—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, और विकास एरिषद् (कार्यविधिक) नियम, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पढ़ते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अध्यक्ष, भारतीय इंजीनियरी उद्योग संघ (श्री एस. वी. सुब्बैया) को भारत मरकार, भारी उद्योग विभाग के आदेश दिनांक 21 ज्लाई 1982 द्वारा गठित की गई भारी वैद्युत और सम्बद्ध उद्योगों की विकास परिषद् का उपाध्यक्ष नियक्ता करती है।

[सं. **ई.ई** आई.-19 (38)/81] म्नीश गुप्त, संयुक्त सचिक

MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY)

ORDER

New Delhi, the 21st July, 1983

S.O. 519(E).—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with rules 2, 4 & 5 of the Development Council (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints the President, Association of Indian Engineering Industry, (Shri M. V. Subbiah) as Vice-Chairman of the Development Council for Heavy Electrical and Allied Industries constituted by the order of the Government of India in the Department of Heavy Industry order dated the 21st July, 1982.

[No. EEI-19(38)[81] M. C. GUPTA, Jt. Secy.